

- पर मनाया जाने वाला उत्सव 2. विवाह के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम।
- हीर-पट** पुं. (तत्.) मध्यकाल में (14 वीं/15वीं शताब्दी) प्रचलित एक विशेष प्रकार का वस्त्र, जो इराक के 'हीर' नामक स्थान से आता था, हीर-पट।
- हीर-पटोर** पुं. (तत्.+देश.) 1. दे. हीर-पट 2. ऐसा वस्त्र जिस पर हीरे की आकृति बनी हो।
- हीरा** पुं. (तद्.) 1. एक बहुमूल्य रत्न जो अपनी चमक और कठोरता के लिए प्रसिद्ध है, इसका रंग प्रायः सफेद होता है परंतु कभी-कभी लाल, गुलाबी, पीले आदि रंगों का हीरा भी प्राप्त हो जाता है, मूल रूप में यह कार्बन का ही उत्पाद है ज्यो. में यह शुक्र ग्रह का रत्न माना जाता है 2. ला.अर्थ. अत्यंत गुणी जैसे- वह तो हीरा आदमी है।
- हीरादोषी** पुं. (तत्.) विजयसाल वृक्ष का ओषधीय गोंद।
- हीरानखी** पुं. (तद्+तत्.) धान की एक विशिष्ट किस्म, जिसका चावल अत्यंत महीन और सफेद होता है।
- हीरामन** पुं. (तद्.) 1. एक कल्पित तोता जिसका रंग सुनहला चमकदार होता है 2. एक पक्षी जो कबूतर के आकार का पर दुबला पतला- सा होता है, इसकी दुम छोटी, मोटी और दो भागों में विभक्त होती है।
- हीरो** पुं. (अं.) 1. वीर पुरुष 2. कथा-कहानी आदि का नायक।
- हीरोइन** स्त्री. (अं.) 1. वीर महिला, वीरांगना 2. कथा-कहानी आदि की नायिका।
- हील** पुं. (देश.) 1. कीचड़, पंक 2. एक सदाबहार पेड़, जिसके तने से गोंद प्राप्त होता है, अरदल, गोरक (अं.) 1. एड़ी 2. जूते या मोजे का एड़ी का भाग।
- हीला** पुं. (अर.>हील:) 1. छल, कपट, फरेब 2. निमित्त, बहाना 3. मिथ्या, अनर्थ, झूठ 4. टालमटोल।

- हीला-हवाला** पुं. (अर.) बहाना, टालमटोल।
- हीला-हवाली** स्त्री. (अर.) बहाना बनाने की क्रिया या भाव।
- हीस** स्त्री. (देश.) एक प्रकार की कैंटीली लता जो हाथियों का प्रिय भक्ष्य है, यह गर्मियों में फूलती और वर्षा ऋतु में फलती है।
- हीसका** स्त्री. (देश.) ईर्ष्या।
- हीसा** स्त्री. (देश.) 1. ईर्ष्या 2. हिस्सा।
- ही-ही** स्त्री. (अनु.) 1. हँसने की ध्वनि 2. अशिष्ट या अभद्र हँसी 3. हँसी की अनुकृति।
- हुंकार** पुं. (तद्.) 1. ओजस्वी शब्द 2. ललकार 3. शत्रु के मन में भय उत्पन्न करने वाली उत्साहपूर्ण ध्वनि।
- हुंकृत** पुं. (तद्.) 1. हुंकार 2. सूअर की गुर्राहट 3. गाय के रँभाने की ध्वनि 4. बादल या समुद्र की गरज 5. मंत्रोच्चार।
- हुंकृति** स्त्री. (तद्.) हुंकार।
- हुंड** पुं. (तद्.) 1. भारत की एक प्राचीन बर्बर जाति 2. राक्षस 3. नर भेड़, मेंढा 4. बाघ 5. सूअर 6. अनाज की बाल वि. (तत्.) मूर्ख, जड़।
- हुंडन** पुं. (तत्.) 1. शरीर या किसी अंग का चेतनाहीन या सुन्न हो जाना 2. शिव का एक गण।
- हुंडा** पुं. (तत्.) आग के जलने से उत्पन्न ध्वनि (देश.) भारत की कुछ जातियों में प्रचलित एक प्रथा जिसके अनुसार विवाह के अवसर पर वर/वधू पक्ष की ओर से दूसरे पक्ष को दी जाने वाली धनराशि टि. विवाह निश्चित करते समय ही इस प्रकार का वचन ले लिया जाता है।
- हुंडा-भाड़ा** पुं. (देश.) महाजनी बोलचाल में ऐसा भाड़ा जो माल पहुँच जाने पर प्राप्तकर्ता देता है।
- हुंडार** पुं. (देश.) भेड़िया।